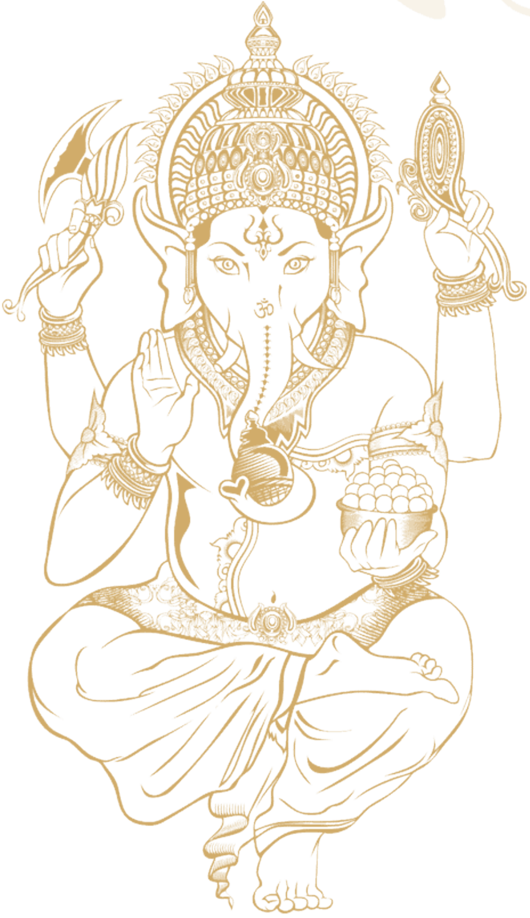

Kumari

21 Aug 2018

04:19 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119169902

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
20-21/08/2018	जन्म तिथि	**20/08/2025**
सोम-मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 04:19:00	जन्म समय	23:19:36 घंटे
घटी 56:05:19	जन्म समय(घटी)	43:36:24 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:52:52	सूर्योदय	05:53:02
18:54:39	सूर्यास्त	18:55:21
24:06:49	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:59
कर्क	लग्न	वृष
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
धनु	राशि	कर्क
गुरु	राशि-स्वामी	चन्द्र
मूल	नक्षत्र	पुनर्वसु
केतु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	4
विष्कुम्भ	योग	व्यतिपात
गर	करण	गर
ये-येरुसलम	जन्म नामाक्षर	ही-हिना
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
श्वान	योनि	मार्जार
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मेष
7	गत/तत्कालिक वर्ष	8

जन्म - विवरण | वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पुष्य	3	12:44:40	कर्क			लग्न			वृष	03:12:09	2	कृतिका
मघा	2	03:44:48	सिंह			सूर्य			सिंह	03:44:48	2	मघा
मूल	1	03:18:28	धनु			चंद्र			कर्क	02:41:46	4	पुनर्वसु
उत्तराषाढ़ा	3	04:47:39	मक	व		मंगल			कन्या	14:27:15	2	हस्त
आश्लेषा	1	17:36:39	कर्क			बुध			कर्क	15:15:49	4	पुष्य
विशाखा	1	21:40:07	तुला			गुरु			मिथु	21:32:45	1	पुनर्वसु
हस्त	3	19:36:20	कन्या			शुक्र			मिथु	29:54:04	3	पुनर्वसु
मूल	3	08:38:48	धनु	व		शनि	व		मीन	06:31:45	1	उ०भाद्रपद
पुष्य	3	11:40:24	कर्क			राहु	व		कुंभ	24:11:49	2	पू०भाद्रपद
श्रवण	1	11:40:24	मक			केतु	व		सिंह	24:11:49	4	पू०फाल्गुनी
अश्विनी	3	08:22:30	मेष	व		मु			कुंभ	12:44:40	2	शतभिषा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

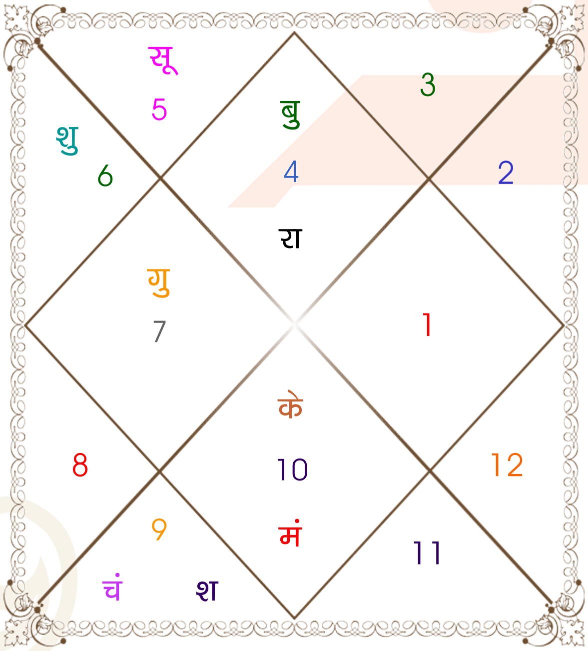

वर्ष लग्न कुंडली

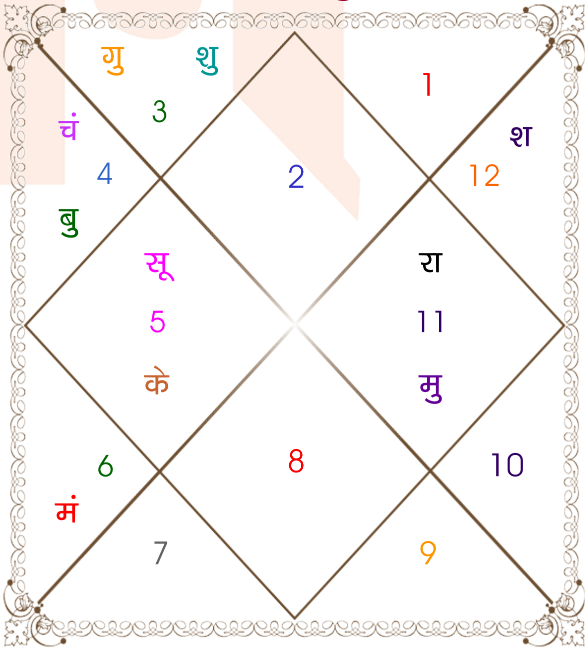

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - शुक्र - गुरु
05/08/2025 13:29
14/01/2026 21:29

गुरु	27/08/2025 04:57
शनि	21/09/2025 21:49
बुध	14/10/2025 21:45
केतु	24/10/2025 09:01
शुक्र	20/11/2025 10:21
सूर्य	28/11/2025 13:09
चंद्र	12/12/2025 01:49
मंगल	21/12/2025 13:05
राहु	14/01/2026 21:29

शुक्र - शुक्र - शनि
14/01/2026 21:29
26/07/2026 15:59

शनि	14/02/2026 10:01
बुध	13/03/2026 17:26
केतु	24/03/2026 23:19
शुक्र	26/04/2026 02:24
सूर्य	05/05/2026 17:44
चंद्र	21/05/2026 19:16
मंगल	02/06/2026 01:09
राहु	30/06/2026 23:07
गुरु	26/07/2026 15:59

शुक्र - शुक्र - बुध
26/07/2026 15:59
15/01/2027 03:29

बुध	20/08/2026 02:25
केतु	30/08/2026 03:53
शुक्र	27/09/2026 21:48
सूर्य	06/10/2026 12:47
चंद्र	20/10/2026 21:44
मंगल	30/10/2026 23:13
राहु	25/11/2026 20:08
गुरु	18/12/2026 20:04
शनि	15/01/2027 03:29

शुक्र - शुक्र - केतु
15/01/2027 03:29
27/03/2027 03:59

केतु	19/01/2027 06:55
शुक्र	31/01/2027 03:00
सूर्य	03/02/2027 16:14
चंद्र	09/02/2027 14:16
मंगल	13/02/2027 17:42
राहु	24/02/2027 09:22
गुरु	05/03/2027 20:38
शनि	17/03/2027 02:31
बुध	27/03/2027 03:59

शुक्र - सूर्य - सूर्य
27/03/2027 03:59
14/04/2027 10:17

सूर्य	28/03/2027 01:54
चंद्र	29/03/2027 14:26
मंगल	30/03/2027 16:00
राहु	02/04/2027 09:45
गुरु	04/04/2027 20:11
शनि	07/04/2027 17:35
बुध	10/04/2027 07:40
केतु	11/04/2027 09:14
शुक्र	14/04/2027 10:17

शुक्र - सूर्य - चंद्र
14/04/2027 10:17
14/05/2027 20:47

चंद्र	16/04/2027 23:10
मंगल	18/04/2027 17:47
राहु	23/04/2027 07:21
गुरु	27/04/2027 08:45
शनि	02/05/2027 04:25
बुध	06/05/2027 11:54
केतु	08/05/2027 06:31
शुक्र	13/05/2027 08:16
सूर्य	14/05/2027 20:47

शुक्र - सूर्य - मंगल
14/05/2027 20:47
05/06/2027 04:08

मंगल	16/05/2027 02:37
राहु	19/05/2027 07:19
गुरु	22/05/2027 03:30
शनि	25/05/2027 12:28
बुध	28/05/2027 12:54
केतु	29/05/2027 18:44
शुक्र	02/06/2027 07:58
सूर्य	03/06/2027 09:32
चंद्र	05/06/2027 04:08

शुक्र - सूर्य - राहु
05/06/2027 04:08
29/07/2027 23:02

राहु	13/06/2027 09:23
गुरु	20/06/2027 16:42
शनि	29/06/2027 08:53
बुध	07/07/2027 03:10
केतु	10/07/2027 07:52
शुक्र	19/07/2027 11:01
सूर्य	22/07/2027 04:46
चंद्र	26/07/2027 18:20
मंगल	29/07/2027 23:02

शुक्र - सूर्य - गुरु
29/07/2027 23:02
16/09/2027 15:50

गुरु	05/08/2027 10:53
शनि	13/08/2027 03:56
बुध	20/08/2027 01:31
केतु	22/08/2027 21:42
शुक्र	31/08/2027 00:30
सूर्य	02/09/2027 10:56
चंद्र	06/09/2027 12:20
मंगल	09/09/2027 08:31
राहु	16/09/2027 15:50

शुक्र - सूर्य - शनि
16/09/2027 15:50
13/11/2027 11:47

शनि	25/09/2027 19:36
बुध	04/10/2027 00:14
केतु	07/10/2027 09:11
शुक्र	17/10/2027 00:31
सूर्य	19/10/2027 21:55
चंद्र	24/10/2027 17:34
मंगल	28/10/2027 02:32
राहु	05/11/2027 18:44
गुरु	13/11/2027 11:47

शुक्र - सूर्य - बुध
13/11/2027 11:47
04/01/2028 05:38

बुध	20/11/2027 19:43
केतु	23/11/2027 20:10
शुक्र	02/12/2027 11:08
सूर्य	05/12/2027 01:14
चंद्र	09/12/2027 08:43
मंगल	12/12/2027 09:09
राहु	20/12/2027 03:26
गुरु	27/12/2027 01:01
शनि	04/01/2028 05:38

शुक्र - सूर्य - केतु
04/01/2028 05:38
25/01/2028 12:59

केतु	05/01/2028 11:28
शुक्र	09/01/2028 00:42
सूर्य	10/01/2028 02:16
चंद्र	11/01/2028 20:52
मंगल	13/01/2028 02:42
राहु	16/01/2028 07:24
गुरु	19/01/2028 03:35
शनि	22/01/2028 12:33
बुध	25/01/2028 12:59

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थो को आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रुके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण ख़ुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।